कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – Vth

पाठ्यक्रम का कोड – A3-HLIT1D
पाठ्यक्रम का शीर्षक – काव्यांग विवेचन एवं जनपदीय भाषा साहित्य
पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. विद्यार्थी काव्य के प्रमुख अंगों का अध्ययन कर काव्य को भलीभांति समझ सकेंगे।
2. जनपदीय भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेगें।
3. जनपदीय भाषा साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता से परिचित होंगे।
4. विद्यार्थी जनपदीय भाषा कौशल में पारांगत होंगे।

केडिट मान – सैद्धांतिक – 06
कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**काव्य शास्त्रीय धारणाएं –** 1. काव्य लक्षण 2. काव्य प्रयोजन 3. काव्य हेतु
इकाई–2	**काव्य के प्रमुख अंग –** रस विवेचन अलंकार प्रमुख अलंकार – (उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, अनुप्रास) शब्द शक्ति काव्य गुण – (प्रसाद, माधुर्य औज) द्वंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया
इकाई–3	1. जनपदीय भाषा – (बुन्देली/मालवी/बघेली) 2. जनपदीय भाषा का भौगोलिक क्षेत्र विस्तार 3. जनपदीय भाषा – (बुन्देली/मालवी/बघेली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि) 4. जनपदीय भाषा का इतिहास
काई–4	**जनपदीय भाषा के प्रतिनिधि रचनाकार एवं रचनाएं –** **अ– बुंदेली भाषा और इतिहास, प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** 1. जगनिक – आलह खण्ड – अंश – सुमिरन करके नारायण को ..... 2. ईसूरी – वंदना – सुमिरन करो शारदा माता 3. भक्तिपरख फागें – हमखो कोउ रजड की सानी, दूजी नॉइ दिखानी 4. प्रकृतिपरख फागें – अब रित आई बसंत बहारन 5. लोक जीवन की चोकडियॉ – हंसा उड चल देख बिराने सरवर जात सुखाने 3. संतोष सिंह बुंदेला – ऐसौ जो बुंदेलखण्ड है, सौ नौनें से नौनो। मिठोआ है ई कुओं को नीर। लगा रओ कुकरा बसें टेर हमारे रमटेरा की तान सरग तरइयॉ कीनें गिन लई

अविरत.....2

23/9/25 23/9/25

	4. माधव शुक्ल मनोज – बडी रसीली कों गई रातें। नीके बसंती आ गये दिन। फागुन आ गाऔ। कब से देखूँ बाठ पिया की। अंगना के फूल खिला जइयों .... **ब– मालवी एवं निमाडी भाषा और साहित्य प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** 1. संत पीता – संत पीपा वाणी एवं पद, प्रारंभिक 05 साखियां, प्रारंभिक 05 पद, महायोगी वैष्णव संत श्री पीपाजी – सं. श्री राजेन्द्र दास। 2. संत सिंगाजी – प्रारंभिक 05 साखियां, सरद 05, भजन 02, कहे जन सिंगा, सं. डॉ. श्रीराम परिहार 3. आनन्दराव दुबे – 05 कविताएं – कलम कागज, अब कंई हीड गावें रे, हूँ जाणें की ता जाणें, कदी जाण घरे भी हाण हुई जाय है, मालवा की माटी। 4. बालकवि बेरागी – 05 कविताऐं – बाजे रे ढोल, पसीनो ललाट को, बादरणा आइग्या, यो बसंत है, पनिहारी **स– बघेली भाषा और साहित्य, प्रमुख कवि (व्याख्या एवं समीक्षा)** बैजनाथ पाण्डे बेज – (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएं) – 1.1 देससेवा 1.2 नेता 1.3 मेला 1.4 गरीबी 1.5 बिटियन केर पढाई सेफुद्दीन सिद्धीकी "सेफ" (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएं) – 2.1 किसान 2.2 रूपया केर महातिम 2.3 मुंह देखा अब कजरहटा मा 2.4 दडउ त बनाइस मनई 2.5 अरे अक्किल का मॉजा डॉ.आलोक बटरोही – (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएं) – 3.1 पेट त उठउ आय 3.2 अंजूरी भर प्यार तोई देह ..... 3.3 को कहइ 3.4 काइयॉ मुर्रत परे रहे 3.5 को होइगा बाबूलाल दाहिया – (कवि का परिचय एवं साहित्यक विशेषताएं) – 4.1 गजल – अब हमी उनहूँ निता खांचे का चाही 4.2 अकेले डॉग मा गोरू चराबे कौल बरसइत 4.3 हरबाह के कनूत
इकाई–5	**जन जातीय भाषा साहित्य –** 1. जन जातीय भाषा साहित्य संग्रह (लिखित/वीडियो) 2. किसी ाही जन जातीय भाषा – साहित्य का अनुवाद 3. जन जातीय भाषा साहित्य का भाषिक सौन्दर्य 4. जनजातीय भाषा साहित्य अंतर्गत संस्कृति का अध्ययन 5. जनजातीय भाषा साहित्य और संगीत

23/9/25

अविरत.....3

संदर्भ ग्रंथ –

1. शर्मा, डॉ. शैलेंद्र कुमार, चौहान डॉ. दिलीप कुमार "मालवी भाषा और साहित्य, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
2. शुक्ल त्रिभुवननाथ, डॉ.कामिनी, परमार, डॉ.बहादुरसिंह, "बुंदेली भाषा और साहित्य"
3. हंस, डॉ.कृष्ण लाल "बुंदेली और क्षेत्रीय रूप" हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग प्रथम संस्करण
4. शुक्ला, दुर्गाचरण, "बुंदली एक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन" कला परिषद टीकमगढ,प्रथम संस्करण
5. शर्मा, डॉ. रमेश लोक साहित्य, बेनी माधव प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करण
6. शर्मा, डॉ. सत्येंद्र, प्रधान, उषा, "बघेली भाषा और साहित्य" मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी,भोपाल
7. मिश्र, डॉ. भागीरथ "काव्यशास्त्र" विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
8. सिंह, डॉ.योगेंद्र प्रताप, भारतीय काव्यशास्त्र" लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. चन्द्रगुप्त, डॉ.सुरेश, "आधुनिक हिन्दी कवियों के काव्य सिद्धांत, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली
10. त्रिपाठी, राममूर्ति "साहित्य शास्त्र के प्रमुख पक्ष" वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. वाजपेयी, नंददुलारे रीति और शैली वाणी प्रकाशन दिल्ली
12. तोमर, टीकमसिंह बघेली भाषा और साहित्य, बिहार राष्ट भाषा परिषद, पटना
13. शुक्ल भगवती प्रसाद, बघेली भाषा और साहित्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
14. शर्मा, डॉ. शैलेंद्र "शब्द शक्ति" संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्य शास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली।
15- गुप्ता, डॉ. सरोज "प्रामाणिक वृहद बुंदेली शब्दकोश उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनउ

.....

23/9/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय : हिन्दी साहित्य
सेमेस्टर – Vth

1. पाठ्यक्रम का कोड – A3-HLIT2T
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लीन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी लोक जीवन शैली से भिज्ञ होंगे।
   2. विद्यार्थी लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य करने में समर्थ होंगे।
   3. विद्यार्थी लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर, रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
   4. विद्यार्थी लोक गीत, संगीत, नाटक, अभिनय आदि में रूचि रखने वाले विद्यार्थी संगीत नाटक एवं फिल्म आदि क्षेत्रों में नया प्रयोग करते हुए देश–विदेश में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे।
5. क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा –** 1. लोक, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा 2. लोक वार्ता और लोक संस्कृति 3. लोक संस्कृति और साहित्य का अंतसंबंध
इकाई–2	**लोक साहित्य के प्रमुख रूप एवं संकलन –** 1. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण, लोक गीत, लोक नाट्य, लोक कथा एवं लोक गाथा 2. लोक साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं
इकाई–3	**लोक संगीत एवं लोकनाट्य स्वरूपः प्रकार एवं विशेषताएं –** 1. लोकगीत – अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार (संस्कार गीत, वृत गीत, पर्व गीत, श्रम गीत एवं ऋतु गीत आदि) 2. लोकनाट्य – अवधारणा एवं प्रकार – रामलीला, रामलीला कीर्तनीय, स्वॉग, यक्षगान, भवाई, नोटंकी, माच, तमाशा, विदेसिया जत्रा आदि का साहित्य परिचय।

23/9/25

अविरत...2

इकाई–4	**लोककथा एवं लोक गाथा स्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएं –** 1. लोककथा – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार, व्रतकथा, परिकथा नागकथा, बोधकथा आदि 2. कथानक रूढियॉं, अभिप्राय 3. लोकगाथा– गोपीचंद्र भर्थरी, नलदमयन्ती आदि। लोककथाओं एवं गाथाओं का सामाजिक जीवन पर प्रभाव
इकाई–5	**लोक संगीत, लोक नृत्य एवं अन्य विधाएँ –** 1. लोक संगीत, लोक वाद्य एवं विशिष्ट लोक ध्वनि से आशय, स्वरूप। 2. लोक नृत्य के विविध रूप 3. मुहावरे, कहावतें, पहलेलियां 4. मेले एवं हाट 5. संबंधित क्षेत्र के लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन 6. संबंधित क्षेत्र की लोक कथाओं,लोक चित्र एवं शिल्प का अध्ययन
संदर्भ ग्रंथ	
1	उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन, इलाहाबाद
2	उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक संस्कृति की रूपरेखा लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली
3	तिवारी, डॉ.कपिल कथा वार्ता,हिंदी आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी,भोपाल
4	निगुर्णे, बसंत, निमाडी मुहारे, हिंदी आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास,अकादमी,भोपाल
5	निगुर्णे बसंत,सिंगाजी, आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी भोपाल
6	निगुर्णे बसंत, मध्यप्रदेश की लोक कथाएं प्रभात, प्रकाशन, प्रा.लि.
7	दिनकर, रामधारी सिंह, संस्कृति के चार अध्याय, साहित्य अकादमी नई दिल्ली
8	माथुर, जगदीश चंद्र, परम्पराशील नाट्य, राष्टीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
9	गुप्ता,, डॉ.सरोज, सुहाने, डॉ. संगीता, लोक साहित्य और वैश्वीकरण अनुभूति प. इलाहाबाद
10	शर्मा, डॉ.शैलेंद्र, मालवा का लोक नाट्य, माच एवं अन्य विधाएं, अंकुर मंच उज्जैन
11	मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें।

23/9/25

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – Vth

1. पाठ्यकम का कोड – A3-SOCI1D
2. पाठ्यकम का शीर्षक – प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक
3. पाठ्यकम का प्रकार – मेजर
4. पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थीयों समाजशास्त्रीय चिंतन के मूल पाठ को समझ सकेंगे।
   2. छात्र विभिन्न विद्धानों के सैद्धांतिक तर्क का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
   3. व्यावहारिक दुनिया में सामाजिक घटना को समझने के लिए विद्यार्थी समाजशास्त्रीय सिद्धांतों को लागू करने में सक्षम होंगे।
   4. यह पाठ्यकम भारतीय समाज, संस्कृति एक परम्पराओं की वैज्ञानिक एवं गहन तार्किक सम विद्यार्थी में विकसित करेगा।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 06
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**सामाजिक चिंतन का प्रादुर्भाव –** 1. भारतीय परम्परा में सामाजिक चिंतन 2. पुनर्जागरण काल 3. फ्रांसिसी राज्य कांति का सामाजिक प्रभाव 4. औद्योगिक कांति एवं पूंजीवाद का सामाजिक प्रभाव	
इकाई–2	**समाजशास्त्र के प्रमुख प्रतिपादक –** 1. अगस्त काम्टे – विज्ञानों का संस्करण और चिंतन के तीन स्तरों का नियम 2. इमाईल दुर्खीम – आत्म हत्या का सिद्धांत, यांत्रिकी एवं साव्यवी एकता 3. हरबट स्पेन्सर – सामाजिक उद्विकास का सिद्धांत – समाज का साव्यविक सिद्धांत	
इकाई–3	**समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक –** 1. मेक्स वेबर – सामाजिक किया का सिद्धांत, नोकरशाही की अवधारणा 2. कार्ल्माक्स – द्वंदात्मक भौतिकवाद का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद का सिद्धांत 3. रॉबर्ट के मर्टन – प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, विचलन की अवधारणा	
इकाई–4	**भारतीय समाजशास्त्र के पथप्रदर्शक –** 1. राधा कमल मुकर्जी– मूल्यों का समाजशास्त्र, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता 2. गोविंद सदाशिव धुर्ये – राष्टीय एकता एवं एकीकरण, भारत में जाती और प्रजाती 3. श्यामाचरण दुबे – भारतीय ग्राम संरचना, परम्परा एवं परिवर्तन	

Contd....2

30.05.25

इकाई–5	**प्रमुख भारतीय सामाजिक विचारक –** 1. मोहनदास करमचंद गांधी – सर्वोदय की अवधारणा, संरक्षकता का सिद्धांत 2. भीमराव अम्बेडकर – सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण 3. स्वामी विवेकानंद – राष्टवाद की अवधारणा, आदर्श समाज की अवधारणा 4. ज्योतिबा फुले – वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान 5. सावित्री बाई फुल – वैचारिक पृष्ठभूमि एवं सामाजिक योगदान 6. दीनदयाल उपाध्याय – एकात्मक मानववाद	
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. प्रो.डोसी,एम.एल.एवं जैन पी.सी.,2001,प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक,रावत पब्लि. जयपुर 2. आर.एन.मुकर्जी– समाज शास्त्रीय विचारों का इतिहास विवेक प्रकाशन, दिल्ली। 3. मुकर्जी– अग्रवाल– पमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा 4. गुप्ता– शर्मा – प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, साहित्य भवन, आगरा। 5. ध्रुव दीक्षित– प्रमुख समाज शास्त्रीय विचारक, शिवलाल अग्रवाल एण्ड संस, आगरा। 6. महाजन– महाजन – प्रमुख समाज विचारक, रामदास एण्ड संस, आगरा। 7. Yogendra Singh– Modernization of India Tradition. 8. C.A. Coser– Master of Socioiological Thughts. 9. Raymond Aron– Main Currents in Sociological Thughts Vol-I & II	

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– समाजशास्त्र
सेमेस्टर – Vth

1. **पाठ्यकम का कोड – A3-SOCI2T**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – डिसिप्लिन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. जनजातीय एवं अनुसूचितयों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थीयों को प्रदान करेगा।
   2. भारतीय जनजातीयों की सामाजिक सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थ व्यवस्था एवं राजनैतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
   3. जनजातीयों की समस्याएं, कारण, संवेधानिक प्रावधान एवं कल्याण कार्यकम विद्यार्थीयों के अंदर सह–अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनायेंगे।
   4. प्रस्तुत पाठ्यकम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में सफल होने में विद्यार्थियों की सहायता करेगा।
   5. प्रस्तुत पाठ्यकम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वेच्छिक संगठनों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करायेगा।
6. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
7. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	जनजातियों का परिचय – 1. **जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषता** 2. जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति में अंतर 3. जनजातिय जनांकिकी एवं वर्गीकरण 3.1 भौगोलिक, 3.2 भाषाई, 3.3 आर्थिक 3.4 प्रजातीय	
इकाई–2	**जनजातिय समाज –** 1. जनजातिय परिवार 2. जनजातिय विवाह 3. जनजातिय नातेदारी व्यवस्था 4. जनजातिय महिलाओं की परिवर्तनशील स्थिति	
इकाई–3	**जनजातिय आर्थिक एवं राजनैतिक संगठन –** 1. जनजातिय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं 2. जनजातिय अर्थव्यवस्था के स्वरूप 2.1 शिकार एवं खाद्य संग्रह 2.2 पशुपालन 2.3 कृषि 2.4 वनोंपज एवं हाट बाजार 3. जनजातिय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक 4. परम्परागत जनजातिय राजनैतिकक संगठन 5. 73वां संविधान संशोधन अधिनियम एवं वर्तमान जनजातिय राजनैतिक संगठन	

अविरत.....2

20.9.25

इकाई–4	**जनजातिय समयस्याएं कारण एवं समाधान –** 1. अशिक्षा एवं बैरोजगारी 2. निर्धनता एवं ऋणग्रस्तता 3. कुपोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं 4. विस्थापन एवं प्रभाव 5. प्रमुख जनजातिय आंदोलन 6. जनजातिय विकास एवं संवैधानिक प्रावधान 7. शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन
इकाई–5	**मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां –** 1. गौंड जनजाति 2. भील जनजाति 3. भारीया जनजाति 4. सहरिया जनजाति 5. कोरकू जनजाति 6. बेगा जनजाति
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. शर्मा श्री नाथ, जनजातिय समाज का समाजशास्त्र, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2. अटल, योगेश एवं सिसोदयिा, यतीन्द्रसिंग, आदिवासी भारत, रावत पब्लिकेशन, जयपुर 3. महाजन, धर्मवीर, जनजातिय समाज का समाजशास्त्र, विवेक प्रकाशन, के.के. पब्लिकेशन, इलाहाबाद 4. डॉ. हरीशचंद्र उप्रेती, भारतीय जनजाति, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 5. सिहं, अनिल कुमार एवं पाण्डे, आनंद कुमार, मध्यप्रदेश की आदिम जनजाति, विवेक प्रकाशन, के.के. पब्लिकेशन, इलाहाबाद

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर - Vth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-ECON1D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – वृद्धि एवं विकास का अर्थशास्त्र**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों विकास के सिद्धांतों और वृद्धि के मॉडलों को समझने में सक्षम होंगे ताकि विभिन्न देशों, राज्यों और क्षेत्रों के विकास प्रकिया की व्याख्या कर सकें।
   2. विद्यार्थी भारत में वृद्धि और विकास के विभिन्न संकेतों का अनुभवजन्य विचरण जानकर विश्व के अन्य देशों की तुलना में इसकी भिन्नता की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
   3. विद्यार्थी विकासशील दुनिया की समस्याओं का विश्लेषण करने के लिये वृद्धि और विकास के सिद्धांतों का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	विकास अर्थशास्त्र का परिचय – 1. आर्थिक विकास एवं आर्थिक वृद्धि की अवधारणा एवं इसके निर्धारक तत्व 2. आर्थिक विकास के संकेतांक एवं बाधाएं 3. सूमंगलम विकास की अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रासांगिकता 4. सतत् विकास का वैदिक दृष्टिकोण 5. बौद्ध दर्शन का अष्टांग मार्ग 6. जैन धर्म के पांच सिद्धांत 7. सकल घरेलू आनंद की अवधारणा, विशेषताएं एवं प्रासंगिकता 8. मध्यप्रदेश सरकार के राज्य आनंदम् संस्था के कार्यों की समीक्षा
इकाई–2	विकास के संकेतांक एवं मापने के विभिन्न उपाय – 1. प्रति व्यक्ति आय (PCI) 2. भौतिक जीवन गुणवत्ता सूचकांक (PQLI) 3. मानव विकास सूचकांक (HDI) 4. लिंग संबंधी विकास सूचकांक (GDI) 5. लिंग सशक्तिकरण उपाय (GEM) 6. मानव गरीबी सूचकांक (HPI) 7. सेना का क्षमता दृष्टिकोण 8. असमानता और कूजनेट्स का उल्टा 'U' वक 9. सतत् विकास का लक्ष्य (SDGS) 2030 एजेंडा
इकाई–3	वृद्धि के सिद्धांत – 1. अनेकांत की अवधारणा 2. एडमस्मिथ का सिद्धांत 3. मार्क्स का आर्थिक विकास का सिद्धांत 4. शुम्पीटर का सिद्धांत 5. रोस्टोव के विकास की विभिन्न अवस्थाएं 6. क्रांतिक न्यूनतम प्रयास का सिद्धांत 7. संतुलित और असंतुलित विकास 8. प्रबल प्रयास सिद्धांत

अविरत.....2

15/09/25

इकाई–4	**विकास मॉडल –** 1. भौतिकवाद का चार्वाक सिद्धांक 2. जॉन राबिन्सन का मॉडल 3. हेरोड डोमर का मॉडल 4. नेल्सन भिन्न आय संतुलन जाल का मॉडल 5. सोलो का नव प्रतिष्ठित विकास का सिद्धांत 6. कार्डोर का वृद्धि मॉडल 7. महालनोबिस चार क्षेत्रीय वृद्धि मॉडल 8. पर्यावरण और विकास के बीच अंतर संबंध
इकाई–5	**भारतीय परिप्रेक्ष्य में नियोजित विकास –** 1. छिपी हुई बेरोजगारी को बचत क्षमता के रूप में उपयोग करने में प्रोफेसर गॉडगिल, प्रोफेसर वकील और प्रोफेसर ब्रम्हानंद का योगदान 2. पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक विचार 3. भारत में आर्थिक नियोजन के उद्देश्य 4. भारत में योजना आयोग की उत्पत्ति एवं कार्य 5. भारत में पंचवर्षीय योजनाओं की भूमिका, लक्ष्य, उपलब्धियां और अनुपलब्धियां 6. निती आयोग की संरचना, भूमिका और कार्य 7. योजना आयोग बनाम नीति आयोग
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. झिंगन एम.एन., विकास का अर्थशास्त्र एवं आयोजन, वृंदा पब्लिकेशन, नई दिल्ली 2. सिंह, एम.पी., आर्थिक विकास एवं नियोजन, एस,चंद एण्ड कंपनी, नई दिल्ली 3. तनेजा, एम.एल. एवं आर.एम. मायर, अर्थशास्त्र की योजनाएं एवं विस्तार, विशाल पब्लिकेशन, जालंधर 4. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा विषय से संबंधित प्रकाशित पुस्तके 5. सिंह, एस.पी., इकोनॉमिक्स ग्रोथ एण्ड प्लानिंग, हिमालया पब्लिकेशन, नई दिल्ली

15/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषयः– अर्थशास्त्र
सेमेस्टर – Vth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-ECON2T**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – जैण्डर अर्थशास्त्र**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लेन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थी जेण्डर अर्थशास्त्र के क्षेत्र में सैद्धांतिक अवधारणाओं से परिचित होंगे।
   2. विद्यार्थियों में जेण्डर विश्लेषण की पद्धतियों को समझने की क्षमता विकसित होगी।
   3. विकास में महिला जनांकिकी की भूमिका को समझने में विद्यार्थियों की क्षमता विकसित होगी।
   4. विकास को प्रभावित करने वाले विभिन्न जेण्डर मुद्दों का विश्लेषण करने की योग्यता प्राप्त होगी।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**परिचय –** 1. जेण्डर अध्ययन, अवधारणा, उद्देश्य, प्रकृति एवं क्षेत्र 2. जेण्डर अध्ययन की महत्व 3. भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति – प्रारंभिक वैदिक काल से वर्तमान तक 4. महिला अध्ययन केंद्रों की भूमिका – भारत में महिला अध्ययन की नवीन प्रवत्ति 5. जेण्डर समानता – एक सामाजिक, आर्थिक आवश्यकता 6. जेण्डर असमानता – प्रकार कारण एवं प्रभाव 7. वैदिक शिक्षण एवं महिलाएं
इकाई–2	**महिला जनांकिकी एवं स्वास्थ्य –** 1. महिला जनांकिकी की विशेषताएं 2. बालिकाओं की जनसंख्या एवं आयु संरचना 3. जेण्डर अनुपात एवं प्रजनन क्षमता – भारत में घटते जेण्डर अनुपात एवं प्रजनन दर के कारण 4. प्रजननता के सिद्धांत एवं माप एवं उसका नियंत्रण 5. महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति – स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक कारण 6. जेण्डर पूर्वागृह एवं खराब स्वास्थ्य – स्वाथ्य देखभाल प्रणाली 7. भारत में महिलाओं की स्थिति के उत्थान में शिक्षा की भूमिका 8. प्रमुख भारतीय महिलाओं का संक्षिप्त परिचय 8.1 मैत्रेयी 8.2 गारगी 8.3 लोपामुद्रा 8.4 रानी लक्ष्मीबाई 8.5 कितुर चेनम्मा 8.6 रानी कमलापति 8.7 रानी दुर्गावती 8.8 जयमती कुवरी 8.9 अहिल्या बाई होलकर

अविरत.....2

15/09/25

इकाई–3	**महिला एवं विकास –** 1. भारतीय अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी – कृषि, उद्योग, सेवा एवं अन्य 2. गृह प्रबंध की अवधारणा एवं मूल्यांकन 3. संगठित और असंगठित क्षेत्र में महिला कार्य सहभागिता 4. श्रम बाजार में महिलाएं – कार्य एवं वेतन/मजदूरी में विसंगति 5. विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की कार्य भागीदारी पर तकनीकी विकास और आधुनिकीकरण का प्रभाव 6. राष्ट्रीय आय में महिलाओं का योगदान 7. जेण्डर विकास सूचकांक (जीडीआई) एवं जेण्डर अंतर सूचकांक (जीजीआई) की अवधारणा 8. जेण्डर मुद्दे एवं सतत विकास लक्ष्य
इकाई–4	**महिला सशक्तिकरण –** 1. महिला सशक्तिकरण – अवधारणा, आवश्यकता एवं चुनोतियां 2. महिला सशक्तिकरण के लिये राष्ट्रीय नीतियां 3. महिला गतिविधियां एवं पारिस्थितिक और पर्यावरणीय चिंता 4. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण एवं महिला सशक्तिकरण 5. महिला सशक्तिकरण में स्वयं सहायता समूहों एवं स्वेच्छिक संगठनों की भूमिका 6. महिला सशक्तिकरण के लिये कल्याणकारी योजनाएं – 6.1 इंदिरा आवास योजना 6.2 मनरेगा 6.3 मुद्रा योजना 6.4 मेक–इन–इडिया 6.5 स्टार्ट–अप–इंडिया 6.6 आत्मनिर्भर भारत योजना 6.7 बेची बचाओं बेटी पढाओं योजना
इकाई–5	**महिला एवं उद्यमिता –** 1. महिला उद्यमिता – अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व 2. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) 3. भारतीय उद्यमिता संस्थान (आईआईई.) 4. आर्थिक निर्णयन एवं नियंत्रण में महिलाओ की भूमिका 5. जेण्डर बजटिंग 6. राष्ट्रीय महिला आयोग
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. जोशी, डॉ.गोपा, भारत में स्त्री असमानता, दिल्ली विश्वविद्यालय पब्लिकशन, दिल्ली 2. साहनी, डॉ. भव्य कुमार, अर्थशास्त्र में महिलाएं, श्री चंद्रधर पब्लिकेशन, दिल्ली 3. सिंह, डॉ. अमिता, लिंग एवं समाज, विवेक पब्लिकेशन, दिल्ली 4. मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा विषय से संबंधित प्रकाशित पुस्तके

15/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065

स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष
विषय :– राजनीति विज्ञान
सेमेस्टर – Vth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-POSC2T**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – भारत में राज्यों की राजनीति**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – डिसिप्लेन स्पेसीफिक इलेक्टिव (DSE)**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों भारत में राज्य की राजनीति के व्यावहारिक पहलुओं से परितित करवाना है। छात्रों का उन राजनीतिक दलों की विचारधारा, संरचना और कार्य प्रणाली से अवगत कराया जाएगा जो लोकतांत्रिक राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
   2. पाठ्यक्रम के अंत में छात्र भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के प्रमुख संचालकों को सीखने में सक्षम होंगें।
   3. छात्र यह समझने में सक्षम होंगे कि जाति, धर्म की भाषा में भारत में पहचान की राजनीति को कैसे प्रभावित किया है।
   4. छात्र प्रमुख राजनीतिक दलों की विचारधारा, सामाजिक आधार और कार्यों की व्याख्या करने में सक्षम होंगें।
   5. भारत में विशेष रूप से कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास के मुद्दों की आलोचनात्मक जांच और व्याख्या करने में सक्षम होंगे।
6. **क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 04.**
7. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
8. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय	घण्टे संख्या
1	1. भारत में राष्ट्रवाद – 1.1 भारतीय राष्ट्रवाद के प्रति ब्रिटिश दृष्टिकोण 1.2 राष्ट्रवादी भावना को रोकने के प्रयास 1.3 क्या भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश राज का शिशु था 2. राष्ट्रवाद का विकास : ब्रिटिश भारत – 2.1 देशी रियासतों में राष्ट्रवाद का विकास 2.2 कांग्रेस का योगदान	
2	1. कुछ भारतीय रियासतों में राष्ट्रीय आंदोलन 2. भारत में प्रजातांत्रिक संस्थाओं का विकास 2.1 भारत में प्रजातंत्र के प्रति ब्रिटिश दृष्टिकोण 2.2 ब्रिटिश भारत में प्रजातंत्र का विकास 2.3 भारतीय देशी रियासतों में प्रजातंत्र का विकास 3. देशी रियासतों का एकीकरण – 3.1 स्वतंत्रता से पूर्व देशी रियासत 3.2 स्वतंत्रता के बाद देशी रियासत 3.3 देशी रियासतों का विलय एवं एकीकरण	

Contd...2

3	1. भाषाई राज्यों का पुनर्गठन – 1.1 स्वतंत्रता के बाद की नीति 1.2 राज्य का पुनगर्ठन आयोग 1.3 भाषायी आधार पर राज्यों का पुनगर्ठन की प्रासंगिकता 2. धर्म और पहचान संरचनाएं। 3. क्षेत्रीय पहचान (क्षेत्रवाद), रूचियां ओर आकांक्षाएं 4. जाति और सामुदायिक ध्रुवीकरण।
4	1. केंद्र–राज्य संबंधों में मुद्दे और रूझान – 1.1 संघ और राज्यों के बीच प्रशासनिक संबंध 1.2 विधायी संबंध 1.3 न्यायिक संबंध 2. केंद्र–राज्य संबंधों के खिलाफ राज्य की राजनीति 3. राष्ट्रपति की संकटकालीन शक्तियां
5	1. अंतर्राज्य परिषद 2. अंतर्राज्यीय जल विवाद 3. अंतर्राज्यीय क्षेत्रीय परिषद 4. अन्य क्षेत्रों में संबंध
	अनुशंसित अध्ययन संदर्भ ग्रंथ :– 1. Sharma, P.(1967) Intergration of Princely States and the Reorganization of states in India 2. Singh M. (2008) Reorganisation of States in India. 3. Wood. J. (1984) British Versus Princely Legacies and the Political Integration of Gujrat. 4. Noorani A. (1973) Vande Matram: A Historical Lesson, Economic and Political Weekly. 5. Paresh , B. (2006) Defining India's Identify. 6. Rochana, B. (2000) Constituent Assembly Debetes and Minority Rights. 7. Varsha, A (2010) Nehru and the Communists : Toward the Constitution Making. 8. Gupta D.C. (2011) Indian Government and Politics, Vikas Publish Houst, P.Ltd.

Manisha 16/09/25

24/09/25

DR. A. Dayma 24/9/25

24/9/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालि

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)

E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065

स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी. ए. तृतीय वर्ष

विषयः– राजनीति विज्ञान

सेमेस्टर - Vth

1. **पाठ्यक्रम का कोड – A3-POSC1D**
2. **पाठ्यक्रम का शीर्षक – भारत की विदेश नीति**
3. **पाठ्यक्रम का प्रकार – मेजर**
4. **पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. विद्यार्थीयों को यह पाठ्यक्रम भारत की विदेश नीति की एक प्रमाणित समझ विकसित करने में सहायता करेगा।
   2. विदेश नीति के एतिहासिक संदर्भ और समसामयिक घटनाक्रम से अवगत कराएगा।
   3. यह पाठ्यक्रम छात्रों को विश्लेषण करने और भारत के राजनीतिक एजेंडे और भागीदार देशों के साथ वर्तमान जुडाव से परिचित होने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करेगा।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 06**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 90 घंटे**

इकाई	विषय विवरण
इकाई–1	**भारत की विदेश नीति में निरंतरता और परिवर्तन –** 1. भारतीय विदेश नीति का एतिहासिक परिदृश्य। 2. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत व निर्धारक तत्व। 3. विदेश नीति और राष्ट्रीय हित। 4. गुटनिरपेक्षता की नीति। 5. भारत की भू–आर्थिक रणनीति। 6. भारत की पूर्व की ओर देखो नीति।
इकाई–2	**भारत एक अग्रणी शक्ति के रूप में –** 1. भारत एक वैश्विक आर्थिक और सैन्य शक्ति। 2. बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था और भारत। 3. भारत की विदेश नीति के नए मोर्चे, बाहरी, आंतरिक, ध्रुवीय क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन। 4. भारत और हिंद महासागर। 5. भारत की भू–राजनीति और भू–अर्थशास्त्र वन रोड, वन बेल्ट मुद्दा। 6. इडो–पैसिफिक का उदय और भारत की एक ईस्ट पॉलिसी।
इकाई–3	**प्रमुख महाशक्तियां और भारत –** 1. संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत के संबंध। 2. रूस के साथ भारत के संबंध। 3. भारत–चीन संबंध। 4. भारत यूरोपीय संघ संबंध।
इकाई–4	**भारत और अंतर्राष्ट्रीय मंच –** 1. संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत की भूमिका। 2. संयकुत राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग। 3. अंतराष्टीय संगठनों के लोकतंत्रीकरण हेतु भारत की मांग। 4. भारत व परमाणु सिद्धांतः एनपीटी और सीटीबीटी। 5. पर्यावरण संरक्षण में भारत की भूमिका।

6. आतंकवाद की समस्यां और भारत

Dr. A. Dayma 24/9/25

24/9/25 प्राचार्य

इकाई–5	**भारत और दक्षिण एशियाई पडोसी राज्य –** 1. अफगानिस्तान 2. पाकिस्तान 3. बांग्लादेश 4. श्रीलंका 5. नेपाल 6. भूटान 7. मालदीव
	अनुशंसित सहायक पुस्तकें :– 1. चंद्रशेखर, डॉ. ममता, अंतराष्ट्रीय संगठन, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल 2. फडिया, डॉ. बाबूलाल, अंतराष्ट्रीय संगठन, साहित्य भवन, आगरा 3. खन्ना, वी.एन. खन्ना और अरोरा, लिपाक्षी, भारत की विदेश नीति,विकास पब्लिशर्स हाउस, नोएडा 4. नागपाल, डॉ. ओम, भारत और आधुनिक विश्व, कमल प्रकाशन, इंदौर 5. सिंहल, डॉ.एस.सी. सिंहल, अंतराष्ट्रीय राजनीति, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल पुस्तक प्रकाशन,आगरा।

15/09/25

DR. A. Dawpura 24/9/25

Manisha 16/09/25

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //
स्थापना वर्ष:1963

कक्षा : बी.एच.एस.सी. तृतीय वर्ष
विषयः– गृह विज्ञान
Sub. – Handdicraft
Semester - V

प्रश्न पत्र का नाम : हस्तकला कोर्स कोड/
व्याख्यान की कुल अवधि– कुल क्रेडिटः 3 कुल अंकः70+30(100) उत्तीर्ण अंकः21+14(35)

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. छात्राओं को विलुप्त होती लोक कलाओं के बारे में जानकारियां प्राप्त होगी।
2. छात्राएं मध्यप्रदेश की लोक कलाओं से परिचित होंगी।
3. छात्राओं को विभिन्न लोक कलाओं में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. छात्राओं को मध्यप्रदेश की विभिन्न पर्वों की जानकारी प्राप्त होगी।
5. छात्राएं लोक पुनरूद्धार और आय के साथ ही अपने संस्कारों से अवगत हो सकेंगी।

इकाई	विषय विवरण	व्याख्यान घंटे
इकाई–1	**1. लोक कला का उद्भव एवं विकास, लोक कला के विभिन्न स्रोत – I** • माण्डना • भित्ती चित्रण • पर्वों पर बनने वाले चित्र • गोंदना 1. Origin and development of folk art, different forms of folk art - I • Mandna • Wall mural • Paintings being made on the ocation of the festival • Godna	06
इकाई–2	**1. लोक कला का उद्भव एवं विकास, लोक कला के विभिन्न स्रोत – II** • चित्रावण, लोकयात्रा (जात्रा) • व्रत एवं त्यौहार • माच • संजा (सांझी कला) 1. Origin and development of folk art, different forms of folk art - II • Chitravan, Lokyatra (Jatra) • Fast and festival • Maach • Sanja (Sanjhi Art)	06
इकाई–3	**1. फेब्रिक कला का परिचय, उद्देश्य –** • अवशोषण, सुखाने की क्षमता, गुणवत्ता • निर्माण प्रकिया एवं विधि, फेशन उद्योग, फेब्रिक पेंटिंग • कच्ची सामग्री – रंग, ब्रश, कपडा, कांच, मीडियम – पानी Introduction to febric Art, objective - • Absorption drying capacity, quality • Processes and methods, fashion industry, fabric painting. • Raw material – color, brushes, cloth, mirror, medium - water	06
इकाई–4	**1. डेकोरेशन (सजावट कला) – I** • सजावट का इतिहास • विभिन्न प्रकार के पॉट पर सजावट करना • केनवास, हार्डबोड, प्लाईवुड आदि 1. Decoration (Decorative Art) - I • History of decoration • To decorate a variety of pots • Introductin of canvas, hard board, plywood etc.	06

Contd...2

इकाई–5	1. डेकोरेशन – II • हस्तनिर्मित आभूषणों का निर्माण • पेपर मेशी कार्य • पॉट्स पर नई–नई लोक कलात्मक सृजन प्रकिया 1. Decoration - II • Making ornamentations • Paper mashi work • New folk artistic creation process on pots
	संदर्भ ग्रंथ – 1. लोक साहित्य और संस्कृति – रामलखन पाण्डे 2. भारतीय कला और शिल्प – जसलीन धमीजा 3. भारतीय लोक एवं जनजनतीय कला – अनूपकुमार भारती Weblink – 1. https://www.jdcentreofart.org/ 2. https://www.indianfolkart.com/ 3. https://indianfolkart.org/ 4. https://www.pinterest.com

प्रायोगिक – हस्तकला

इकाई	विषय
1	लोककला के कोई दो नमूने अपनी संस्थान की सुविधानुसार तैयार करें। Prepare any two samples of folk art according to convenience of your institution.
2	पॉट डेकोरेशन की कोई दो डिजाइनें अपनी संस्था की सुविधानुसार तैयार करें। Prepare any two desigins of pot decoration as per the convenience of your Instution.
3	फ्रेब्रिक कला की कोई दो डिजाइन अपनी संस्था की सुविधानुसार तैयार करें। Prepare any two desigins of fabric art as per the convenience of your institution.
4	उत्पाद विकास – परंपरागत तकनीक से लोक हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करना जिन्हें सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में पढाया गया है। (कोई दो) Product development – preparation of folk handicraft products with traditional techniques which have been studied in theory paper – (Any two)
5	प्रदर्शनी सह बिक्री के अनुसार उत्पाद तैयार करके महाविद्यालय आधार पर या किसी उचित स्थान पर बिक्री हेतु प्रचार–प्रसार गतिविधियों में संस्थान की सुविधानुसार प्रस्तुत करें। Prepare products in accordance with the exhibition with sales and present them in promotional and publicity activities at the college premises or an appropriate location, as per the convenience of your institution for the purpose of sale.

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust
Kasturbagram Rural Institute
Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020
An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore
Estb. 1903

Syllabus - B.A. III Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020)
Semester V
SUBJECT– ENGLISH LITERATURE
COURSE CODE - A3-ELIT3T
COURSE TITLE - Literary Criticism and Theories (Major -I)

IUM MARKS : 100 (70+30) **MINIMUM MARKS : (21+14)**
CREDITS :06 **TOTAL HOURS : 60**

rse is designed with the aim to provide knowledge of Literary Criticism to the students and develop nding of basic concepts of English Literature.

TIVES

To give an understanding about the basic concepts of English Literature.
Use literary theoretical concepts to develop their own interpretations of literary texts.

CONTENTS	DURATION
Introduction to Literary Criticism - 1. Elements methods, characteristics and purpose of literary criticism. 2. Use of literary devices.	**12 Hours**
Early twentieth Century Literary Criticism. 1. Psychoanalytic theory. 2. Marxist Literary Criticism. 3. Feminist Literary Theories. 4. Structuralism and Deconstruction. 5. Reader response theory. 6. Eco – criticism.	**12 Hours**
Later Twentieth Century Literary Criticism 1. Structuralism and Deconstruction 2. Reader-response Theory 3. Eco-criticism	**12 Hours**
Indian Critical Thinking - Bharat Munl's Natyashastra : Elements of Drama, Rasa Theory.	**12 Hours**
Indian Critical Thinking - Anand Vardhan : Dhwani Theory.	**12 Hours**

d Readings: -

Barry, P., "Beginning Theory" – Viva Book India, 2010.
Goulimari, P., Literary Criticism and Theory. From Plato to Postcolonialism.". Routedge. Publication, 2014.
Kapoor, K., "Literary theory Indian Conceptual Framwork. Affiliated Est-West Press, India, 2012.
Nagarajan, MS., English Literary Criticism and theory. Orient Black Swan. India, 2006.
Pathak. RS., Comparative Poetics. Creative Books. India, 1998

Governed by Kasturba Gandhi National Memorial Trust
Kasturbagram Rural Institute
Kasturbagram, Indore (M.P.) - 452020
An Autonomous Women's College, Affiliated to Devi Ahilya University, Indore

Syllabus - B.A. III Year – Academic Session 2025-26
(Under NEP 2020)
Semester V
SUBJECT– ENGLISH LITERATURE
COURSE CODE- A3-ELIT3P
PRACTICAL PAPER – Practising and Evaluating Literary Criticism and Theories (Practical)

IUM MARKS : 100 (70+30)

	CONTENTS	DURATION
	Introduction – 1. What is literary Criticism? 2. Practice of New Criticism and Formalism with different literary pieces.	**15 Hours**
II	**Critical Evaluation of A new Experts –** 1. Gita (English Translation by Eknath Easwaran. 2. Ramayan (English Translation by Ralph Griffith)	**15 Hours**

ted Continuous Evaluation Methods:

Internal Assessment	Marks	External Assessment	Marks
nteraction / Quiz	**30**	**Viva Voce on Practical**	**70**
ance		**Practical Record File**	

t Books -

1. Barry , P. "Beginning , Viva Books India.
2. Goulimari P., "Literary Criticism and theory, From Plato to post colonialism. Routiedge Publications 2014.
3. Kapoor K., "Literary theory Indian Conceptual Framework. Affiliated East - West press, India.
4. Nagarajan, MS. "English Literary Criticism and Theory" Orient Black Swan, India.
5. Pathak, RS. Comparative poetics:, Creative Books, India.

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एस.सी./बी.एच.एससी./बी.कॉम. तृतीय वर्ष
सेमेस्टर – Vth

1. पाठ्यक्रम का कोड – V1HORORGT
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – जैविक खेती
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कौशल संवर्धन (SEC)
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. यह पाठ्यक्रम विद्यार्थीयों को जैविक खेती से परिचित करवायेगा और भविष्य में रोजगार निर्माण में सहायक होगा।
   1. विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकों के विषय में अंतदृष्टि विकसित करेंगे।
   2. विद्यार्थी सफल साक्षात्कार देने के योग्य होंगे।
   3. विद्यार्थी आत्म विश्वास विकसित करने में सक्षम होंगे।
   4. विद्यार्थी प्रतिबल प्रबंधन की तकनीकों के विषय में जागरूक होंगे।
5. क्रेडिट मान – सैद्धांतिक – 02+02
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

पाठ्यक्रम –

इकाई – 1 परिचय और सिद्धांत, जैविक खेती का विकास, मिट्टी को जैविक मिट्टी की खेती और जुताई में बदलना, अच्छी बढती परिस्थितियों का निर्माण, मिट्टी का संघनन, अच्छी बढती परिस्थितियों का निर्माण, अच्छी मिट्टी का संघनन, मिट्टी की खेती के प्रकार।

इकाई – 2 फसल योजना और प्रबंधन, फसल चक्र, अंतर फसलें, कवर फसल, फसल पशु संघ। मल्चिंग, परिभाषा, उपयोग, मल्च सामग्री का चयन, मल्चिंग सामग्री का स्रोत, मल्च का अनुप्रयोग।

इकाई – 3 जैविक रूप से खेत का प्रबंधन करना, साइड बाड लगाना, जल और पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन, कीट और रोग प्रबंधन।
पौध प्रसार, बीज मूल्यांकन के लिए मानदंड, लक्षण वर्णन और गुणन, पारंपरिक किस्मों का महत्व, बीज संरक्षण।

इकाई – 4 जैविक प्रबंधन के अन्य रूप, बायोडायनामिक कृषि,. ऋषि खेती, प्राकृतिक खेती, पंचगव्य कृषि, नाटुको खेती, होमा खेती।

अविरत.....2

प्रायोगिक कार्य –

1. मृदा नमूनाकरण और मृदा पीएच का निर्धारण।
2. मृदा कार्बनिक कार्बन सामग्री का निर्धारण।
3. नर्सरी और बीच क्यारी तैयार करना।
4. कवकनाशी और जैव उर्वरक के साथ बीज उपचार।
5. विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों, खादों, जैव उर्वरकों की पहचान।
6. फसलों (गेहू, चावल और मक्का के लिए) की पोषक आवश्यकताओं के आधार पर उर्वरक आवश्यकता की गणना।
7. एफवाईएम और कम्पोस्ट तैयार करना।
8. कीट नियंत्रण और पोषक तत्व स्प्रे के लिए स्प्रेयर और डस्टर का उपयोग।
9. फसल के बीज (गेहू, चावल, मक्का और सरसों) में नमी की मात्रा का निर्धारण।
10. किसी फसल के खेत का दौरा करना और स्वस्थ पौधों की तुलना रोगग्रस्त और कीट प्रभावित पौधों से करना।
11. विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों, कवकनाशी और शाकनाशी की पहचान करना।

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एस.सी./बी.एच.एससी./बी.कॉम. तृतीय वर्ष
सेमेस्टर – Vth

V3-200-VERT

1. **पाठ्यकम का कोड –**
2. **पाठ्यकम का शीर्षक – केंचुआ पालन एवं धारणीय कृषि**
3. **पाठ्यकम का प्रकार – कौशल संवर्धन (SEC)**
4. **पाठ्यकम अध्ययन की उपलब्धियां :–**
   1. केंचुआ खाद निर्माण को लघु एवं वृहद उद्योग के रूप में प्रारंभ कर सकेंगे।
   2. सतत खेती की शुरूआत करना।
   3. केंचुआ खाद के विपणन एवं विकय हेतु प्रमाण पत्र एवं लायसेंस प्राप्त कर सकेंगे।
   4. केंचुआ खाद प्रौद्योगिकी पर शोध परियोजना सम्पन्न कर सकेंगे।
   5. केंचुआ खाद उद्योग में सहभागी होंगे।
5. **केडिट मान – सैद्धांतिक – 04**
6. **कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35**
7. **व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे**

इकाई	विषय
इकाई–1	**केंचुआ पालन उद्योग –** 1.1 केंचुआ पालन उद्योग के प्रभाग अ– उत्पादन पक्ष, केंचुआ खाद निर्माण, जॉच, भण्डारण, पैकेजिंग। ब– वाणिज्यिक पक्ष, गृह उद्यान, फलोद्योग, पौधों की नर्सरी, कृषि स– विपणन पक्ष, स्थानीय एवं सार्वभोमिक विपणन एवं विकय हेतु चैनल 1.2 केंचुआ पालन के भावी पक्ष।
इकाई–2	**धारणीय कृषि में केंचुआ पालन के लाभ –** 2.1 पर्यावरण संतुलन के लिए केंचुआ खाद एक सतत साधन 2.2 जैविक कृषि के अपशिष्ट के चकियकरण हेतु केंचुआ खाद एक प्रभावी विकल्प 2.3 केंचुआ पालन और मिट्टी की सुक्ष्मजीव विविधता 2.4 मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार हेतु केंचुआ पालन
इकाई–3	**केंचुआ पालन में मापदंड एवं प्रमाणीकरण –** 3.1 केंचुआ खाद के गुणवत्ता मानदंड अ– उपज की मात्रा के आधार पर ब– केंचुआ खाद में उपलब्ध पोषक तत्वों के आधार पर 3.2 केंचुआ खाद जैसे जैविक व्यापार को प्रारीा करने के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र एवं लायसेंस 3.3 केंचुआ खाद के निर्यात हेतु आवश्यक गुणवत्ता मानदंड एवं आवश्यक प्रमाणन, लायसेंस

Contd.....2

25.9.25

प्रायोगिक –

1. भौतिक मापदण्ड –

1.1 केंचुआ खाद में नमी का आकलन

1.2 केंचुआ खाद के थोक घनत्व का आकलन

1.3 केंचुआ खाद की पी.एच. वैल्यू का आकलन

2. रासायनिक मापदण्ड –

2.1 कुल जैविक कार्बन हेतु केंचुआ खाद की मात्रात्मक विश्लेषण

2.2 कुल जैविक नाइट्रोजन हेतु केंचुआ खाद की मात्रात्मक विश्लेषण

2०3 कुल जैविक पोटेशियम हेतु केंचुआ खाद की मात्रात्मक विश्लेषण

2०4 कुल जैविक सल्फेट हेतु केचुआ खाद की मात्रात्मक विश्लेश्ण

2०5 कुल जैविक फास्फोरस हेतु केचुआ खाद की मात्रात्मक विश्लेषण

3. केंचुआ खाद का सुक्ष्म जीव विश्लेषण

अ– केंचुआ खाद का जीवाणु हेतु सूक्ष्म जीव विश्लेषण

ब– केंचुआ खाद का फफूंद हेतु सूक्ष्म जीव विश्लेषण एवं पृथक्करण

4. केंचुआ खाद जैविक खाद से किस प्रकार भिन्न है।

5. जैविक खेती की फील्ड स्टडी

6. केंचुआ खाद उद्योग एवं बाजार का मुआयना करना।

.....

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
स्थापना वर्ष:1963

// शैक्षणिक सत्र: 2025–26 //

कक्षा : बी.ए./बी.एस.सी./बी.एच.एससी./बी.कॉम. तृतीय वर्ष
सेमेस्टर – V th

1. पाठ्यक्रम का कोड – X3-FCAC1T
2. पाठ्यक्रम का शीर्षक – व्यक्तित्व विकास
3. पाठ्यक्रम का प्रकार – कौशल संवर्धन (SEC)
4. पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–
   1. विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास का संमप्रत्यात्मक ज्ञान अर्जित करेंगे।
   2. विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकों के विषय में अंतदृष्टि विकसित करेंगे।
   3. विद्यार्थी सफल साक्षात्कार देने के योग्य होंगे।
   4. विद्यार्थी आत्म विश्वास विकसित करने में सक्षम होंगे।
   5. विद्यार्थी प्रतिबल प्रबंधन की तकनीकों के विषय में जागरूक होंगे।
5. केडिट मान – सैद्धांतिक – 04
6. कुल अंक – 40+60=100 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 35
7. व्याख्यान की कुल अवधि– 60 घंटे

इकाई	विषय
इकाई–1	**व्यक्तित्व विकास के आयाम –** 1. व्यक्तित्व विकास का प्रत्यय 2. सामंजस्य को विकसित करना 3. शक्ति और कमजोरियों का विश्लेषण 4. अभिप्रेरण 5. व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकें
इकाई–2	**व्यक्तित्व विकास के कौशल –** 1. प्रभावपूर्ण संचार 2. आत्म सम्मान एवं आत्म विश्वास 3. चिंतन एवं समस्या समाधान कौशल 4. स्वाट विश्लेषण 5. सफल साक्षात्कार के लिये कौशल
इकाई–3	**व्यक्तित्व विकास का प्रबंधन –** 1. समय प्रबंधन एवं लक्ष्य निर्धारण 2. प्रतिबल प्रबंधन 3. सफलता एवं असफलता का प्रत्यय 4. सोशल मीडिया का प्रबंधन 5. आत्म नियंत्रण एवं सामाजिक समानुभूति
इकाई–4	**व्यक्तित्व विकास में सम्प्रेषण –** 1. सम्प्रेषण का अर्थ एवं महत्व 2. सूचना 3. संप्रेषण में बाधाएं 4. बाधाओं पर नियंत्रण

अविरत.....2

इकाई–5	व्यक्तित्व विकास में नेतृत्व – 1. नेतृत्व का परिचय 2. समूह चर्चा, तात्कालिक भाषण 3. समूह गतिशीलता, वैयक्तिक अध्ययन
संदर्भ ग्रंथ	
1	मॉर्डन स्वेटए व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स
2	शर्मा, पी.के. 2014, व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स
3	अस्थाना एम.एवं वर्मा के 1999, व्यक्तित्व मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली
4	Andrews. Sudhir 1988, How to Succeed at Interviews. 21th (rep.) Tata McGraw-Hill New
5	Dehi.
6	Covey Stephen 1989, The 7 Habits of Highly Efdective People NY: Free Press
7	Hindle. Him 2003, Reducing Tress. Essential Manager Series D.K. Publishing
8	Lucas Stephen 2001. Art of Public Speaking. Tata McGraw Hill, New Delhi. Pectcs SJ Francis 2011, Soft Skills and Professional Communication Tata McGraw-Hill Educatin New Delhi.

.....